अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2017) | दिनांक 20.12.2017

पंचम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

महात्मा महाप्रज्ञ – 50

प्र.1 किन्हीं तेरह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 13

(क) आचार्य महाप्रज्ञजी के पिताजी तोलारामजी को क्या पूर्वाभास हुआ?

(ख) बालक नथमल पहली बार कोलकत्ता कब और क्यों गये?

(ग) नथमलजी को प्रतिक्रमण सीखनें की अनुमति कब और कहाँ मिली?

(घ) पूज्य कालूगणी ने साधु–साध्वियों के हृदय रोग न होने का क्या कारण बताये?

(ङ) ''आचार्य तुलसी संस्कृत के जंगम विश्वविद्यालय हैं।'' यह कथन किसने और क्यों कहा?

(च) महाप्रज्ञजी ने ''तेरह द्वार'' की टीका कब और किस भाषा में लिखी?

(छ) 'जीव–अजीव' पुस्तक की पाण्डुलिपि का निर्माण किसने व किस विधि से किया?

(ज) मुनि नथमलजी द्वारा अपनी जूठी पात्री का पानी स्वयं पीना शुरु करने पर सन्तों ने क्या कहा?

(झ) 'संबोधि' पुस्तक की रचना कब व किस भाषा में की गई?

(ञ) महाप्रज्ञजी ने 'अतुकान्त' कविता कब और कहां लिखी?

(ट) आचार्य तुलसी की श्वास सम्बन्धी समस्या के लिए कौन से वैद्यजी की दवा लेने को कहा और उन्होंने क्या दवा दी?

(ठ) महाप्रज्ञजी की मन्त्र के विषय में रूचि कहाँ और किस ग्रंन्थ को पढ़ने से हुई?

(ड) जीवन विज्ञान का पहला शिविर कहाँ आयोजित किया गया और उसका नाम क्या रखा गया?

(ढ़) आचार्य महाप्रज्ञजी को 'धर्म चक्रवर्ती' का अलंकरण कब और किसके द्वारा दिया गया?

(ण) आचार्य महाप्रज्ञजी ने पहली बार साधन का प्रयोग कब और कहाँ किया?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में लिखें – 10

(क) तेलिये ने चार कौन–कौन सी भविष्यवाणियाँ की?

(ख) नथमल के दीक्षोत्सव पर किन–किन व्यक्तियों ने क्या–क्या जिम्मेदारी निभायी?

(ग) भूल होने पर मुनि तुलसी मुनि नथमलजी व बुद्धमलजी को क्या–क्या दण्ड देते थे?

(घ) श्रीमहाप्रज्ञजी को साहाय्यपति कब बनाया गया तथा उनकी साहाय्य में कौन–कौन से संत थे?

(ङ) निकाय सचिव के कितने व कौन–कौन से गुण बताये गये?

(च) योगक्षेम वर्ष में प्रज्ञा परिषद् में कौन–कौन से सन्त पार्षद के रूप में निर्धारित किए गए?

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 12

(क) महाप्रज्ञजी की प्रवचन शैली पर टिप्पणी लिखें।

(ख) सिद्ध करें कि महाप्रज्ञजी संघर्ष के समय गुरुदेव तुलसी के विशिष्ट सहयोगी बनकर रहे।

(ग) आचार्य तुलसी ने महाप्रज्ञजी को उत्तराधिकारी बनाते हुए एक मर्यादा पत्र तैयार किया उसे लिखें।

(घ) महाप्रज्ञजी की 'आशु' कविता पर टिप्पणी लिखें।

प्र.4 ''मुझे ऐसा लगता, आचार्यपद पर तो वे थे, काम सारा मैं चला रहा हूँ। इतनी एकात्मकता थी।'' आचार्य महाप्रज्ञ का यह कथन गुरुदेव तुलसी के साथ उनके तादात्म्य को उजागर

करने वाला है सिद्ध करें। 15

'अथवा'

नैतिकता व मानवता का उद्घोष को लेकर प्रारम्भ हुई अहिंसा यात्रा में कई नये आयाम उद्घाटित हुए उन पर प्रकाश ड़ालें।

आचार्य महाश्रमण – 30

प्र.5 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए – 7

(क) बालक मोहन ने प्रथम स्थान कौन–कौन सी कक्षा में प्राप्त किया?

(ख) बालक मोहन मां की मार से बचने के लिए मां से क्या कहता था?

(ग) गुरुदेव ने मोहन को प्रतिक्रमण का आदेश कब और कहाँ दिया?

(घ) मुनि मुदित ने दसवेआलियं सूत्र कंठस्थ करना कब प्रारम्भ किया और कितने दिन में कर लिया?

(ङ) दीक्षा के बाद तीसरे चातुर्मास में मुनि मुदित किसकी साझ में रहे?

(च) पूज्य गुरुदेव का कौनसा गुप्त वाक्य युवाचार्य महाश्रमणजी ने बताया?

(छ) पदाभिषेक के समय आचार्यश्री महाश्रमणजी ने धर्मसंघ को किस नाम से संबोधित किया?

(ज) आचार्य महाश्रमणजी को दिल्ली आने का निमंत्रण किस राजनेता ने दिया?

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए – 5

(क) रेखाशास्त्री अध्यापक छगनजी मिश्रा ने कौन–कौन सी भविष्यवाणी की?

(ख) श्री भंवरलालजी बैद की क्या विशेषताएँ थीं और उन्होंने मुनि मुदित को किस भाषा का अध्ययन करवाया?

(ग) युवाचार्य महाश्रमण ने जब पहली दीक्षा दी तब कौन–कौन से राजनेता उपस्थित थे?

प्र.7 कोई तीन प्रश्नों के 100 से 150 शब्दों में उत्तर दीजिए – 18

(क) वैरागी मोहन ने दीक्षा की आज्ञा प्राप्ति के लिए क्या–क्या प्रयत्न किये?

(ख) ''एक अनोखा उपहार'' शीर्षक के संदर्भ में घटना प्रसंग लिखें।

(ग) मुनि मुदित को समय–समय पर पूज्यवरों की सेवा के सुअवसर प्राप्त होते रहे उन पर प्रकाश डालें।

(घ) सिद्ध करें कि आचार्य महाश्रमण प्राणवान हैं।

तेरापंथ–प्रबोध – 10

प्र.8 कोई तीन पद्य लिखें – 10

(क) रघुवर आय.....लार हो।।

(ख) तेरा मां स्यूं.....विस्तार हो।।

(ग) ''जाग्रत धर्म हमारा'' गीत वाला पद्य लिखें।

(घ) मुहुरत बाद.....उदार हो।।

(ङ) ''मघवा–गादीधर म्हारा'' गीत वाला पद्य लिखें।

तुलसी–प्रबोध – 10

प्र9 कोई तीन पद्य लिखें। 10

(क) बड़े भाग.....पंचम आर हो।।

(ख) कर अपवाद.....अधिकार हो।।

(ग) श्रुत आराधन.....हुंशियार हो।।

(घ) कालू जन्म.....इंतजार हो।।

(ङ) ले चार्टर.....स्वयं चला'र हो।।